हमारे अगुवों की ओर से संदेश

यीशु मसीह के गवाह बनने के लिए पवित्र आत्मा के द्वारा परिवर्तित

विज्ञप्ति जारी करने की तारीख: सोमवार, 12 फरवरी 2018

1960 के दशक के मध्य में, इथोपिया में हाई स्कूल के युवाओं के बीच एक आंदोलन का आरम्भ हुआ। ऐसे विश्वासियों ने जो प्रार्थना करने को समर्पित थे और पवित्रशास्त्र को अपने जीवन का आधार मानते थे, स्कूलों, आफिसों, और सड़कों पर मसीह की गवाही देना आरम्भ किया।

सेन्ट्रल लेजेटाफो मेसेरेते क्रिस्टोस चर्च, इथोपिया में एक आराधना के दौरान। फोटो: तेस्फातसियन डालेल्लियो।

प्रार्थना का मुख्य विषय पवित्र आत्मा से परिपूर्ण होने की प्यास थी – यह प्रतिज्ञा परमेश्वर पिता ने दी थी, जैसा कि बाइबल में लिखा हुआ है। इन युवाओं में खोए हुओं के प्रति भी एक भारी बोझ था। हमारे विश्वासयोग्य परमेश्वर ने इन प्रार्थनाओं का उत्तर दिया और अनेक विश्वासियों पर पवित्र आत्मा उण्डेला।

मेसेरेत क्रिस्टोस चर्च (एमकेसी), जो सबसे बड़ी मेनोनाइट कलीसियाओं में से एक हैं, और जिसकी सदस्य संख्या 5,000 से कुछ अधिक की थी जब यह मार्क्सवादी सैन्य सरकार के द्वारा किए जा रहे सताव से बचने के लिए भूमिगत हो गई थी। सताव के इसी समय में कलीसिया उन्नति करने लगी और नाटकीय रूप से बढ़ने लगी।

पवित्र आत्मा की सामर्थ से परिवर्तित किए गए विश्वासियों में इतनी निडरता थी कि वे यीशु मसीह की गवाही दे सकें, अपने विश्वास को बाँट सकें, और पवित्रता का एक ऐसा जीवन व्यतीत कर सकें जो पाप की निन्दा करता है और पापियों को मन फिराव की बुलाहट देता है।

यद्यपि मार्क्सवादी सरकार द्वारा मसीहियों पर अनेक पाबंदियाँ लगाईं गई थी, यीशु मसीह के सुसमाचार को रोका नहीं जा सका। एमकेसी के अगुवों समेत अनेक विश्वासियों को कैद कर लिया गया। 17 वर्ष के सताव के बाद, एमकेसी की सांख्यिकी में दस गुना वृद्धि पाई गई।

जैसा कि मिस्र में फिरौन द्वारा इस्राएलियों को सताए जाने के समय हुआ था, वैसे ही, यहाँ भी मसीहियों को जितना सताया गया वे उतना ही अधिक बढ़ते और फैलते गए। समर्पित और पवित्र आत्मा की बदल देने वाली सामर्थ के द्वारा प्रज्जवलित युवाओं ने स्थानीय कलीसियाओं की स्थापना की। बाइबल अध्ययन और प्रार्थना के लिए अनेक घरेलु समूहों की स्थापना की गई। यह विकास आज भी कायम है। वर्तमान में, परमेश्वर के अनुग्रह से प्रतिवर्ष 20,000 विश्वासी बपतिस्मा लेकर कलीसिया में जुड़ते जा रहे हैं।

प्रेरितों के काम की पुस्तक में यीशु मसीह के चेलों ने पवित्र आत्मा की सामर्थ से भर कर अपनी शिक्षाओं से जगत को उलटा पुलटा कर दिया था। पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हो कर उन्होंने निडर हो कर सुसमाचार का प्रचार किया और बहुत से लोग विश्वास ला कर मसीही बने। पवित्र आत्मा ने इन लोगों को बदल दिया और इन्हें अपने गवाह भी बनाया।

यूनानी में गवाह के लिए ''मार्टियर्स'' शब्द का प्रयोग किया गया है – जिससे हमें यह अंग्रेजी शब्द प्राप्त हुआ है। यद्यपि वर्तमान में इस शब्द का प्रयोग उन लोगों के लिए किया जाता है जिन्हें मसीह का अंगीकार करने के कारण मृत्यु का सामना करना पड़ा, परन्तु मूल रूप से इसका अर्थ गवाह बनना होता है।

जब हम पवित्र आत्मा के द्वारा बदले जाने के विषय में विचार करते हैं, यह एक ऐसा जीवन होता है जो सुसमाचार के हित में परिवर्तित किया जाता है – परमेश्वर के राज्य के कार्य के लिए एक माध्यम बनने को। एक गवाह अपने स्वामी के लिए जीवन व्यतीत करता है, अपने लिये, या किसी समूह के लिए नहीं।

हम परमेश्वर के कार्य, यीशु मसीह के सुसमाचार का प्रचार करने के द्वारा परमेश्वर की सेवा करने के लिए पवित्र आत्मा के द्वारा उसकी महिमा के निमित्त परिवर्तित किए गए हैं। *''पर तुम एक चुना हुआ वंश, और राजपदधारी, याजकों का समाज, और पवित्र लोग, और परमेश्वर की निजप्रजा हो, इसलिए कि जिस ने तुम्हें अंधकार में से अपनी अद्भुत ज्योति में बुलाया है, उसके गुण प्रगट करो''* (1 पतरस 2:9)।

–टेवाड्रोस बेयने (इथोपिया), फेथ एण्ड लाइफ कमीशन के सदस्य।